दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्ष:- 05
अंकः- 39
मुरादाबाद
30 May 2025
(Friday)
पृष्ठः-08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हे, बंगाल में पीएम मोदी ने भरी हुंकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब जब मैं सिंदूर खेला की पवित्र धरती पर खड़ा हूं, तो यह उचित ही है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक नए संकल्प- ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करें। भारत बदल गया है। हम अब ऐसी कायराना हरकतों को बर्दाश्त नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर हमारा कड़ा जवाब है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों को 1,010 करोड़ रुपये की सौगात दी। उन्होंने यहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला

रखी। इससे 2.5 लाख से अधिक घरों के साथ-साथ वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराना है। योजना के तहत न्यूनतम कार्य कार्यक्रम लक्ष्यों के अनुसार लगभग 19 संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे। इससे विश्वसनीय, पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी ईंधन आपूर्ति की उम्मीद है। साथ ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।यहां लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पाकिस्तान के दुस्साहसों का जिक्र किया। उन्होंने बतायास कि कैसे भारत ने तीन पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर मारा। उन्होंने कहा, %22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता की, उसके बाद पश्चिम बंगाल में भी बहुत गुस्सा था। आपके भीतर जो आक्रोश था, आपका जो गुस्सा था, उसको मैं भलीभांति समझता था। आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया। हमारी सेना ने उनको सिंदूर की शक्ति का अहसास करा दिया।आतंक और नरसंहार पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी एक्सपरटाइज% ,उन्होंने कहा, %आतंक को पालने वाले पाकिस्तान के पास दुनिया को देने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है। जब से वो अस्तित्व में आए हैं, तब से ही उसने सिर्फ आतंक को पाला है। 1947 में बंटवारे के बाद से ही उसने भारत पर आतंकी हमला किया। कुछ सालों के बाद उसने यहां पड़ोस में आज के बांग्लादेश में जो आतंक फैलाया, पाकिस्तान की सेना ने जिस प्रकार बांग्लादेश में दुष्कर्म और हत्याएं कीं, वो कोई भूल नहीं सकता।

आतंक और नरसंहार पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी एक्सपरटाइज है।, %पाकिस्तान की सेना आतंकियों का सहारा लेती है% उन्होंने कहा, %जब सीधा युद्ध लड़ा जाता है, तब उसकी हार तय होती है, उसकी पराजय निश्चित होती है। यही कारण है कि पाकिस्तान की सेना आतंकियों का सहारा लेती है। पहलगाम हमले के बाद अब भारत ने दुनिया को बता दिया है कि अगर अब भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो दुश्मन को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हे। बंगाल की इस धरती से ये 140 करोड़ भारतीयों का एलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।%केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इस अभियान के दौरान 2170 टीमें देशभर के 700 से अधिक जिलों, 65 हजार गांवों और करीब डेढ़ करोड़ किसानों तक पहुंचेगी। केंद्र की मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इस अभियान के शुभारंभ के मौके पर पीएम मोदी ने भारत के कृषि क्षेत्र को और अधिक आधुनिक बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए इस अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम %लैब टू लैंड% अभियान को आगे बढ़ा रही है।क्या बोले पीएम मोदी ,%विकसित कृषि संकल्प अभियान% के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अब बाजार बदल रहे हैं, ऐसे में ग्राहकों की प्राथमिकताएं भी बदल रही हैं। इसलिए हमारा प्रयास है कि किसानों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर कृषि प्रणालियों में बदलाव लाया जाए और किसानों के साथ चर्चा की जाए कि भारत की कृषि और अधिक आधुनिक कैसे बने। इसलिए इस अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम %लैब टू लैंड% अभियान को आगे बढ़ा रही है।इस मौके पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशकों में हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने कई क्षेत्रों में अच्छे शोध किए हैं, बेहतर नतीजे दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश के प्रगतिशील किसान भी अपने प्रयोगों से कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव लाए हैं। उन्होंने उत्पादन को बढ़ाया है और सफल प्रयोग किए हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के सफल शोध और प्रगतिशील किसानों के सफल प्रयोगों की जानकारी सभी किसानों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इस दिशा में आप सभी शुरू से ही प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब इसे नए जोश के साथ करने की जरूरत है। %विकसित कृषि संकल्प अभियान% से आपको इसके लिए भर ,र अवसर मिलेंगे। आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इसके जरिये किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक तरीके से खेती और सतत विकास की दिशा में प्रेरित किया जाएगा। इससे किसानों को फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अभियान की शुरुआत ओडिशा से की गई। 20 राज्यों में प्रवास करेंगे कृषि मंत्री कृषि मंत्री ने इस अभियान की औपचारिक शुरुआत ओडिशा के पुरी से की। एक पखवाड़े तक चलने वाले इस अभियान के दौरान चौहान 20 राज्यों में प्रवास करेंगे। केंद्रीय मंत्री अभियान के दौरान 12 जून तक जम्मू, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, मेघालय, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में किसानों व वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के लिए उनसे सीधा संवाद करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

PAK की गोलाबारी से पीड़ित लोगों को पुनर्वास पैकेज दे सरकार, यह कर्तव्य; राहुल ने PM को लिखा पत्र

शनिवार को राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने 7 से 10 मई के बीच सीमा पार हुई गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और अन्य पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा सिंह सभा, मंदिर गीता भवन और मदरसा ज़िया-उल-उलूम का भी दौरा किया और क्राइस्ट हाईस्कूल के छात्रों से बातचीत की थी।कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर के पुंछ और अन्य पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों के लिए ठोस, उदार और त्वरित राहत एवं पुनर्वास पैकेज की मांग की।पिछले शनिवार को राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने 7 से 10 मई के बीच सीमा पार हुई गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और अन्य पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा सिंह सभा, मंदिर गीता भवन और मदरसा ज़िया-उल-उलूम का भी दौरा किया और क्राइस्ट हाईस्कूल के छात्रों से बातचीत की थी।प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में गांधी ने कहा कि मैंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। ,इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह तबाह हो गए

अगर हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, CM ममता ने PM मोदी को दी चुनौती

टीएमसी ने मोदी सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति का आरोप भी लगाया। टीएमसी ने कहा कि इसी नीति के चलते ही बंगाल को मनरेगा और आवास योजना के फंड से वंचित किया गया। पीएम मोदी के ममता सरकार पर करारे वार के बाद राज्य में एक बार फिर वाक् युद्ध शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने जहां मुर्शिदाबाद हिंसा और मालदा की घटना को लेकर टीएमसी सरकार को घेरा वहीं ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इतना ही नहीं सूबे की मुखिया ममता बनर्जी ने पीएम पर पलटवार करते हुए उन्हें चुनाव में उतरने की चेतावनी तक दे डाली। ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी की मौजूदगी में उनके मंत्री कह रहे हैं कि अब वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे। मैं उन्हें चुनौती देती हूं अगर उनमें हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें। ,मोदी की नीति फूट डालो और राज करो की% ,पीएम के बयानों पर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा है, उससे हम स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जब सभी विपक्षी दल एकजुट होकर देशहित में विदेशों तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं तो उस वक्त केंद्र सरकार राजनीतिक होली खेल रही है। हम ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में हैं लेकिन पीएम मोदी देशभर में रैली करने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए सैन्य हमले को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया है। अलीपुरद्वार में प्रधानमंत्री की रैली के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मोदी की

की है। इस दौरान ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र ने लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर का नाम रखा है। पहले अपनी पत्नी को सिंदूर क्यों नहीं देते हैं मोदी = ममता, प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी भी कीं। देशभर में महिलाओं के बीच सिंदूर बांटने की भाजपा की कथित योजना पर सीएम ने कहा कि हर महिला का सम्मान होता है। वे केवल अपने पति से ही सिंदूर स्वीकार करती हैं। मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों। वह पहले अपनी पत्नी को सिंदूर क्यों नहीं देते? केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल संबंधी बयान पर ममता ने कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस कल ही चुनाव में जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा, वह केवल चौंकाने वाला है बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है। जब सभी विपक्षी दल एकजुट होकर देशहित में विदेशों में अपनी बात पहुंचा रहे हैं तो उस वक्त केंद्र सरकार राजनीतिक होली खेल रही है। हम ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में हैं लेकिन पीएम मोदी देशभर में रैली करने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए सैन्य हमले को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया है। उन्होंने सवाल किया कि पहलगाम हमले के अभी तक क्यों नहीं पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहती थी लेकिन उन्होंने मुझे बोलने के लिए मजबूर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पीएम फूट डालो और राज करो की नीति अपना रहे हैं। वहीं, टीएमसी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार इधर-उधर के मुद्दों में लोगों का ध्यान भटकाकर अपनी विफलताओं को छिपा रही है। साथ ही टीएमसी ने पश्चिम बंगाल को प्रभावित करने वाले संकटों के बारे में पीएम की टिप्पणियों के जवाब में पांच सवाल भी पूछे। टीएमसी ने महिला सुरक्षा, युवाओं को रोजगार और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टीएमसी ने पीएम मोदी से कहा कि वे पहले मणिपुर में स्थितियों को सामान्य करें, जहां बीते दो साल से भी ज्यादा समय से कानून-व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। इसके साथ ही टीएमसी ने कहा कि पीएम मोदी के राज्य में महिला सुरक्षा की क्या स्थिति है, उन्नाव से हाथरस तक के मामलों पर भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड चुप्पी से भरा हुआ है। आगे टीएमसी ने पेपर लीक की बात करते हुए कहा कि इससे युवाओं में निराशा है। भाजपा ने छात्रों को पेपर लीक, हृश्वश्वञ्ज घोटाला और 45 प्रतिशत बेरोजगारी का राष्ट्रीय उपहार दिया है। अपने पोस्ट में टीएमसी ने आगे भाजपा पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया।

सीएम योगी बोलेः सत्ता के लिए इतिहास से गायब कर दिए महापुरुषों के नाम, सालार मसूद गाजी का किया जिक्र

सीएम योगी ने कहा कि विदेशी आक्रांता सालार मसूद गाजी के हमलों को नाकाम करने वाले महाराज सुहेलदेव को समाज ने विस्मृत सा कर दिया था।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म के लिए लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा किए गए कार्य हम सबके लिए एक नई प्रेरणा है। यही प्रेरणा हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि सुशासन की आधारशिला विरासत बनेगी। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने सनातन धर्म और भारतीय विरासत की जो मजबूत नींव रखी, वही आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'विकास और विरासत' के अभियान का आधार बन

चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में महारुपुषों की एक लम्बी श्रंखला है जो समाज को एक नई संजीवनी देते रहे हैं। बीच के कालखंड में विदेशी दासता के शिकार कुछ सत्तालोलुप लोगों ने प्रेरणा देने वाले ऐसे लोगों का नाम सामने नहीं आने दिया और उनको इतिहास के पन्नों से गायब कर दिया गया।मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को राजधानी में डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित %पुण्यश्लोक% लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान-2025 का शुभारंभ करते हुए संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांता सालार मसूद गाजी के हमलों को नाकाम करने वाले महाराज सुहेलदेव को समाज ने विस्मृत सा कर दिया था। वह महमूद गजनवी का भांजा था, जिसने सोमनाथ के मंदिर को कई बार लूटा और तोड़ा। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या पर पहला हमला इसी ने किया था। जब वह मंदिरों को लूटने निकला तो मथुरा से लेकर बहराइच के बीच में महाराज सुहेलदेव के नेतृत्व में हिंदू राजाओं ने उसके छक्के छूड़ा दिए उसकी ऐसी दुर्गति किया कि फिर डेढ़ सौ साल तक कोई भी विदेशी आक्रांता भारत पर हमला करने का दुस्साहस नहीं कर सका था। लेकिन महाराजा सुहेलदेव का नाम इतिहास के पन्नों से गायब कर दिया गया।उन्होंने कहा कि ऐसे ही अहिल्याबाई को लंबे समय तक उपेक्षित रखा गया। अब समय है कि उनकी प्रेरणा को जन-जन तक पहुंचाया जाए। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने वीरांगनाओं के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का गठन किया और पुलिस बल में बेटियों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है।इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने कहा कि देश का दुर्भाग्य रहा कि शिवाजी, महाराणा प्रताप और अहिल्याबाई होल्कर जैसे नायकों को स्कूली पाठ्यक्रम से दूर रखा गया। 300 वर्ष पहले जब महिला सशक्तीकरण की कोई परिकल्पना भी नहीं थी, तब अहिल्याबाई ने शासन, सेवा और धर्म की मिसाल कायम की।

उनका योगदान काशी, हरिद्वार, अयोध्या, सोमनाथ जैसे तीर्थों के निर्माण और पुनरुद्धार में आज भी जीवंत है। ,प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई का जीवन परिचय हर युवा को पढ़ना चाहिए। उनके सिद्धांत, कार्यशैली और धार्मिक दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डाला। संचालन नीरज सिंह ने किया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह, महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, होल्कर वंश के वंशज उदयराज होल्कर उपस्थित रहे।, अहिल्याबाई परीक्षा एप लांच,इस मौके पर अहिल्याबाई परीक्षा एप भी लांच किया गया। जो उनके जीवन से शिक्षित करेगा। इसके माध्यम से आनलाइन परीक्षा कराई जाएगी। इससे एक करोड़ विद्यार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

संपादकीय Editorial

This is not the time for questions

The most important and foremost thing is the nation. The Prime Minister, the Leader of the Opposition, MPs, political parties and the average citizen of the country are all part of it. If the nation exists, then everyone exists. The Pahalgam massacre was an attack on the soul, existence and sovereignty of our India. It cannot be forgotten at all. India cannot be attacked by dividing it into Hindus and Muslims. We will not tolerate such an attack, because all communities are united on the question of the nation. An all-party meeting was called after the massacre. Questions must have been raised in it, so the Modi government also accepted the intelligence-security lapse. Those leaders who appear to be of the fundamentalist type are also with the government today and are supporting any decision of Prime Minister Modi. A sensitive issue like Waqf has been put in the background. At present, the focus is on terrorism and it has to be taught a lesson. The Prime Minister has shared his pain and anger with the families of the victims of the massacre through 'Mann Ki Baat'. Once again those families have been assured that they will definitely get justice. The culprits and conspirators of the attack will definitely be given the harshest reply. The Prime Minister realizes that every Indian's blood is boiling after seeing the pictures of the terrorist attack. This assurance of Prime Minister Modi should be trusted. Immediately after the attack, terrorists and their masters cannot be attacked as a retaliatory strike. This is also a part of diplomatic and strategic strategy. Rounds of meetings and intensive investigation are going on from Delhi to Kashmir. ISRO has also been included in the investigation. The houses of 10 terrorists have been razed to the ground. Explosives have also been found in some houses. About 2000 suspects have been detained and interrogation is going on. The chiefs of the three armies and the Chief of Defense Staff have met Defense Minister Rajnath Singh. There was a 40-minute meeting between Prime Minister Modi and Defense Minister Rajnath Singh. It is obvious that there must have been a discussion on the formats of attack on Pakistan! Heads of state, presidents, prime ministers etc. of 40-45 countries of the world have talked to Prime Minister Modi over the phone and have given full support to India against terrorism. Major Muslim countries are also standing with India. Countries like China, Turkey have also not publicly supported Pakistan. They know the nature and reality of Pakistan. Can't some opposition parties see these activities? This is not the time for questions, but to appear united as a nation. The Prime Minister's inability to attend the all-party meeting is not a fundamental question. The Defence Minister and Home Minister were present in the meeting, who are fully responsible for security and intelligence related questions. Was their presence not important? This is not the time to repeatedly question the alleged 300 kg RDX explosive used in the Pulwama terror attack of February 2019. This is also not the time to question the BJP giving a ticket to an alleged terrorist. This is also not the time to count terrorist attacks. The incident is of 1984, so terming the assassination of then Prime Minister Indira Gandhi in her official residence as the most important security lapse is neither relevant nor appropriate today. This is the time to think about the possibilities of war and prepare a strategy. According to an international research report, if a full-fledged war breaks out between India and Pakistan, India's loss will be 0.65 percent and Pakistan's loss will be 0.95 percent. It may take 7.5 years for India and about 10 years for Pakistan to compensate for the cost and impact of the war. This does not include the losses and impact of a nuclear war.

Pakistan defames Islam, attacks the principles of Islam too

The terrorist attack in Pahalgam has once again exposed the evil intentions of Pakistan. In this attack, the terrorists asked people about their religious identity and those who could not recite the Kalma were ruthlessly killed. This incident was a conspiracy to break the unity of India but the people of the country have stood united against terrorism. The barbaric terrorist attack on tourists in Pahalgam, Jammu and Kashmir, recently reminded us of the attack by a terrorist organization called Al Shabab in a shopping mall in Nairobi, Kenya, about a decade ago. In that attack, the terrorists killed all those who could not recite the Kalma. The terrorists showed the same barbarity in Pahalgam too. They asked people about their religious identity, asked them to recite the Kalma and even made some people remove their clothes to confirm their identity. Those who claimed to be Hindus or could not recite the Kalma were ruthlessly shot in front of their wives and children. A Hindu professor from Assam was saved because he recited the Kalma. The terrorists carried out the terrorist incident in Pahalgam with the aim of establishing a pure Jihadi narrative. The incident in Pahalgam should be seen in the context of the recent speech of Pakistani Army Chief Asim Munir, in which he described Muslims as different from Hindus. The way he said that our thoughts, beliefs, culture etc. are all different, he expressed his hatred towards Hindus and India. In the same speech, he described Kashmir as the navel of Pakistan. Within a week of this hate speech, a terrorist attack took place in Pahalgam. This cannot be a coincidence. This automatically exposes the evil face of Pakistan. The terrorist incident in Pahalgam was carried out because assembly elections were held peacefully in Jammu and Kashmir, in which a large number of people participated. After the removal of Article 370, the situation in Jammu and Kashmir was becoming normal. Due to this, a large number of tourists were reaching there. For the last three years, the number of tourists was continuously increasing there. The Kashmiri people were also benefiting from this. Obviously, Pakistan was not liking this. It should also be noted that the Pakistani army is troubled by the internal problems of its country and is becoming unpopular. Imran Khan's supporters abuse it. Asim Munir is their target. Recently, the Pakistani army was greatly embarrassed by the hijacking of a Pakistani train by Baloch fighters. Its two-nation view has also collapsed. In Pakistan, Sindhis, Pashtuns, etc. consider the Pakistani army as terrorists. There are slogans that 'this terrorism is behind the uniform.' There are reasonable reasons to believe that the Pakistani army conspired for the Pahalgam attack to divert the attention of its people. Another motive of the Pakistani army behind the Pahalgam attack was to create hatred between Hindus and Muslims in India. That is why people were selectively killed in Pahalgam on the basis of religious identity. Killing someone on the basis that he belongs to a different religion is the height of hatred and brutality. The aim of this attack was to break the unity of India. The harmonious living of Hindus and Muslims is the biggest challenge for Pakistan's evil intentions. Pakistan knows that due to the influence of Sufism, Hindus and Muslims have been living together in India. It does not like this. Pakistan must have been assuming that after killing people on religious grounds, the atmosphere in India will turn into communal hatred and there will be large-scale violence, but it was proved wrong. The Pahalgam incident has created an emotional atmosphere of grief and anger in the country. This incident has shaken the whole of India. India has almost the same Muslim population as Pakistan. About 97 percent of the population there is Muslim. If there is a terrorist incident in which people are killed for not being able to recite Kalma, then it hurts the image of Islam and the Islamic principle of 'Lakum Deenukum Wale Yadeen' i.e. 'Your religion is with you and my religion is with me'. Pakistan has already caused a lot of damage to Islam by nurturing Jihadi terrorist organizations. By carrying out the Pahalgam incident, it has only worked to defame Islam again. Many Muslim leaders in India have also said this clearly. These include Maulanas and Maulvis. Not only this, people of the Muslim community came out on the streets in large numbers to protest against the Pahalgam incident. The protest was first seen in Kashmir. After this, Muslims in large numbers in the rest of the country also offered namaz wearing black bands and took out candle marches. This is because they feel that the Pahalgam incident has in a way attacked the principles of Islam as well. The Pahalgam incident clearly wanted to create a dividing line, but this will not happen because people in the entire country, including Kashmir, are standing up against terrorism. It is the responsibility of both the communities and their leaders to ensure that no kind of hatred grows between Hindus and Muslims. Only by fulfilling this responsibility well, can Pakistan's evil intentions be thwarted.In that attack, the terrorists killed all those who could not recite the Kalma. The terrorists showed the same barbarity in Pahalgam too. They asked people about their religious identity, asked them to recite the Kalma and even made some people remove their clothes to confirm their identity. Those who claimed to be Hindus or could not recite the Kalma were ruthlessly shot in front of their wives and children. A Hindu professor from Assam was saved because he recited the Kalma. The terrorists carried out the terrorist incident in Pahalgam with the aim of establishing a pure Jihadi narrative. The incident in Pahalgam should be seen in the context of the recent speech of Pakistani Army Chief Asim Munir, in which he described Muslims as different from Hindus. The way he said that our thoughts, beliefs, culture etc. are all different, he expressed his hatred towards Hindus and India. In the same speech, he described Kashmir as the navel of Pakistan. Within a week of this hate speech, a terrorist attack took place in Pahalgam. This cannot be a coincidence. This automatically exposes the evil face of Pakistan. The terrorist incident in Pahalgam was carried out because assembly elections were held peacefully in Jammu and Kashmir, in which a large number of people participated. After the removal of Article 370, the situation in Jammu and Kashmir was becoming normal. Due to this, a large number of tourists were reaching there. For the last three years, the number of tourists was continuously increasing there. The Kashmiri people were also benefiting from this. Obviously, Pakistan was not liking this. It should also be noted that the Pakistani army is troubled by the internal problems of its country and is becoming unpopular. Imran Khan's supporters abuse it. Asim Munir is their target. Recently, the Pakistani army was greatly embarrassed by the hijacking of a Pakistani train by Baloch fighters. Its two-nation view has also collapsed. In Pakistan, Sindhis, Pashtuns, etc. consider the Pakistani army as terrorists. There are slogans that 'this terrorism is behind the uniform.' There are reasonable reasons to believe that the Pakistani army conspired for the Pahalgam attack to divert the attention of its people. Another motive of the Pakistani army behind the Pahalgam attack was to create hatred between Hindus and Muslims in India. That is why people were selectively killed in Pahalgam on the basis of religious identity. Killing someone on the basis that he belongs to a different religion is the height of hatred and brutality. The aim of this attack was to break the unity of India. The harmonious living of Hindus and Muslims is the biggest challenge for Pakistan's evil intentions. Pakistan knows that due to the influence of Sufism, Hindus and Muslims have been living together in India. It does not like this. Pakistan must have been assuming that after killing people on religious grounds, the atmosphere in India will turn into communal hatred and there will be large-scale violence, but it was proved wrong. The Pahalgam incident has created an emotional atmosphere of grief and anger in the country. This incident has shaken the whole of India. India has almost the same Muslim population as Pakistan.

Statements that increased anger, top leadership of Congress took cognizance of absurd statements

Naturally, BJP strongly opposed such statements but its leaders also have to keep in mind that they should not say or do anything that gives the impression that they are trying to take political advantage of the Pahalgam incident. No one's political interest can be bigger than the national interest. It was good that the top leadership of Congress took cognizance of the absurd statements of its leaders on the barbaric terrorist incident of Pahalgam and instructed them to speak on this attack according to the party line. Such instructions had become necessary because many of its senior leaders and even the Chief Minister of Karnataka went out of their way and said that we are not in favor of war. They said this when in the meeting called regarding the Pahalgam attack, the opposition parties justified the steps taken by the government against Pakistan and gave the message that whatever decision the government takes to suppress terrorism, they will support it. Many Congress leaders ignored this message and said such things which Pakistan started to exploit in its favour. After the unnecessary statement of the Chief Minister of Karnataka, one of his ministers said that terrorists do not have enough time to ask about the religion of a person before killing him. A similar statement was also given by a Congress MLA from Maharashtra. The limit was crossed when it was also said that the woman who is saying that her husband was asked about his religion before killing him, must have lost her senses. Another Congress leader said this absurd thing that Pakistan will be the enemy of BJP and RSS, not Congress? Such statements are not only insensitive and make the countrymen angry with the Pahalgam attack boil, but also fulfill the wishes of those who nourish terrorism. At least the Congress leaders should know that absurd statements nourish the enemies. Statements that hurt national interests and affect the unity of the country not only show that due to political bitterness, leaders abandon their discretion while speaking even on sensitive issues, but also indicate that they do not care about the party line even on matters of national importance. Some leaders of other parties have also made cheap statements on the heartbreaking attack in Pahalgam. While some statements were given due to the extremely negative politics of blind opposition, some were given due to cheap vote bank politics. Naturally, the BJP strongly opposed such statements, but its leaders will also have to keep in mind that they should not say or do anything that gives the impression that they are trying to take political advantage of the Pahalgam incident. No one's political interest can be bigger than the national interest.

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

मुरादाबाद – जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के कार्ययोजना के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी

द्वारा बताया गया कि 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जायेगा, जिसका थीम 卐योगा फार वन अर्थ वन हेल्थ卐 है। इसके साथ ही योग सप्ताह 2025 का आयोजन 15 जून 2025 से 21 जून 2025 तक मनाया जायेगा। बैठक में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजनों से संबंधित कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी को जनपद में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों/प्रशिक्षित योग ट्रेनर के सहयोग से जनपद/तहसील/ब्लाक व पंचायत स्तर पर सम्बन्धित कार्मिक के योग प्रशिक्षण करवाने संबंधित उचित कार्यवाही करने के दिशानिर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जनपद के समस्त पुलिस थाना, पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन को कार्यक्रम में सम्मिलित करते हुए योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। समस्त प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाते हुए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। इसके साथ ही बैठक में जनपद में योगा दिवस के दिन आयोजन संबंधी स्थान को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी को आयोजन के संबंध में कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, अपर नगर आयुक्त श्री आशुतोष राय, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित विभिन्न योग संस्थाओं के सदस्य तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टेऊ्ट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में

जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को पीएम सूर्यघर योजना के अर्न्तगत लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने हेतु प्राथमिकता स्तर पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा उदासीनता बरते जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए क्रियाशील होकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी को योजनान्तर्गत उपस्थित वेण्डरों द्वारा प्रस्तुत की गयी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारी को यथोचित कार्यवाही कर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को क्रियाशील होकर योजना में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्मार्ट मीटर, प्रीपेड मीटर एवं नेटमीटर संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए चीफ विद्युत को जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चन्द्र, अपर नगर आयुक्त, एसपीओ नेडा एस0के0 सिंह, चीफ विद्युत, जिला पंचायती राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेन्द्र पाण्डे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया मासिक निरीक्षण

मुरादाबाद जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह द्वारा जिला निर्वाचन कार्यालय में स्थित ई0वी0एम0 वेयर हाउस मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक

दिशानिर्देश दिए तथा उचित साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश इत्यादि व्यवस्थाओं को समुचित बनाए रखने के निर्देश दिये। रीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, चकबंदी अधिकारी श्री जुबैर अहमद, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजदू रहें। ,जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद, नई दिल्ली और एसआईएस इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में 30 मई 2025 से मुरादाबाद सभी ब्लाकों के 09 कालेजों मे सुरक्षा जवान व सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती के लिए शिविरों का आयोजन किया जायेगा। भर्ती अधिकारी नरेन्द्र कुमार ने बताया कि भारतीय संविधान के पसारा एक्ट-2005 के अनुसार एसआईएस इंडिया लिमिटेड देश की बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो भारत के अतिरिक्त विदेशों में भी सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों पर सुरक्षा प्रदान करती है। ,दिनांक 30 एवं 31 मई को रामरतन इंटर कालेज बिलारी, 02 एवं 03 जून को जेएलएम इंटर कालेज कुन्दरकी, 04 एवं 05 जून को राजकीय इंटर कालेज सरकडा खास मुरादाबाद, 16 एवं 17 जून को राजकीय इंटर कालेज रतनपुर कला, 18 एवं 19 जून को राजकीय इंटर कालेज भोजपुर, 20 एवं 21 जून को किसान इंटर कालेज अगवानपुर, 23 एवं 24 जून को डीएसएम इंटर कालेज कांठ, 25 एवं 26 जून को सर्वोदय इंटर कालेज डिलारी सहित दिनांक 27 एवं 28 जून 2025 को मुस्लिम इंटर कालेज ठाकुरद्वारा में सुरक्षा जवान भर्ती के शिविरों का आयोजन किया जायेगा। सुपरवाइजर के लिए न्यूनतम 12वीं पास, लम्बाई 170 सेमी, वजन 56-90 किलोग्राम, आयु 21 से 40 वर्ष होनी चाहिए। इन मानकों के आधार पर चयनित अभ्यर्थी को 350 रुपये पंजीयन शुल्क देय होगा।

31 की रात 11 बजे से 2 जून को रात 11 बजे तक बाधित रहेगी सीएनजी पीएनजी आपूर्ति

औद्योगिक इकाइयों में पूर्ण रूप से बाधित रहेगी आपूर्ति, घरेलू व व्यवसायिक अप्रभावित

मुरादाबाद- सीएनजी व पीएनजी तेल गैस लिमिटेड के पाइपलाइन करनपुर मुरादाबाद और उत्तराखंड के रुद्रपुर काशीपुर से होकर मुरादाबाद के धन्नूपुरा व सैफुरपल्ला तक आने के बाद उसके पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य किया जाना है। टोरंट गैस लिमिटेड की ओर से इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दी गई है। जिसके आधार पर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि गैस की आपूर्ति 31 मई की रात 11बजे से 2 जून को 11ः00 बजे तक 48 घंटे औद्योगिक इकाइयों में टोरंट गैस पाइपलाइन के माध्यम से सीएनजी पीएनजी की आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। जबकि घरेलू और व्यवसायिक आपूर्ति सुचारू रहेगा। अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह ने पत्र जारी कर इस संबंध में बताया है कि मुरादाबाद औद्योगिक क्षेत्र में कुल 26 सीएनजी फिलिंग स्टेशन हैं जिसमें से सिर्फ 6 फिलिंग स्टेशन फीफी फिलिंग सटेशन कांठ, अजीत सिंह फिलिंग स्टेशन चंदौसी, एएसएचपी फिलिंग स्टेशन ठाकुरद्वारा, सुहानी फिलिंग स्टेशन मुरादाबाद बाईपास एनएच-9, भगवती फिलिंग स्टेशन बेलवाड़ा बाजपुर रोड और कृष्णा फिलिंग स्टेशन कांठ रोड छजलैट पर सीएनजी उपलब्ध रहेगी। जिला मजिस्ट्रेट ने इस संबंध में जरूरी कानून व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी कहा है।

संक्षिप्त समाचार

घर के पास टहल रहे रियल एस्टेट कारोबारी का अपहरण

पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट, क्राइम ब्रांच तलाश में जुटी

मुरादाबाद- कटघर क्षेत्र से एक रियल एस्टेट कारोबारी के अपहरण की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश करना शुरू कर दी है।थाना कटघर क्षेत्र के सिंह भवन गुलाबबाड़ी निवासी विनोद कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके बड़े भाई योगेश कुमार रियल एस्टेट कारोबारी हैं। 26 मई की रात करीब साढ़े नौ बजे घर के पास टहल रहे थे। इसी दौरान ठाकुरद्वारा निवासी नईम और विराट राजपूत नामक दो युवक मौके पर पहुंचे और उन्हे जबरन ऑल्टो में बैठाकर ले गए। पीड़ित के अनुसार आरोपी नईम ठाकुरद्वारा में एक शादी हॉल का संचालक है। आशंका जताई जा रही है कि अपहरण के पीछे पैसों के लेनदेन या किसी प्रॉपर्टी विवाद का मामला हो सकता है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना कटघर के प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में क्राइम ब्रांच की टीम को भी लगाया गया है और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही दोनों अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर योगेश को सकुशल बरामद किया जाएगा।

किसान की हत्या में दोषी को आजीवन कारावास, 25 हजार का जुर्माना, चुनाव की रंजिश में किया था कत्ल

मुरादाबाद- संभल के 15 साल पुराने चुनाव की रंजिश में किसान की हत्या के मामले में बृहस्पतिवार को एडीजे चार रेश्मा चौधरी की अदालत ने मुलजिम यादवेंद्र उर्फ यादव को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस केस के तीन आरोपियों की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। संभल जिले के बहजोई थाना क्षेत्र के किसोली निवासी अवधेश उर्फ पप्पू ने 31 अक्तूबर 2010 को बहजोई थाने में अपने ही गांव के यादवेंद्र उर्फ यादव, मनोज, सोमपाल और यशपाल के खिलाफ केस दर्ज कराया था।जिसमें उसने बताया कि 31 अक्तूबर 2010 को पंवासा में उनके गांव के प्रधान पद के चुनाव के परिणाम घोषित हुए थे। चुनाव में हमारे परिवार ने चंद्रपाल का समर्थन किया था। इसी बात को लेकर गांव के यशपाल से मेरी कहासुनी हो गई थी। उस वक्त को मामला कुछ लोगों ने समझाकर शांत करा दिया था।इसके बाद पप्पू के पिता रामचंद्र और उसका भाई घनश्याम घर लौट रहे थे। आरोप है कि आरोपियों उन्हें घेर लिया और रामचंद्र को गोली मार दी। जिसमें वह घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी गिरफ्तार जेल भेज दिए थे। इसके बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई थी। इस मामले की सुनवाई एडीजे चार रेशमा चौधरी की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान तीन आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है। यादवेंद्र उर्फ यादव की फाइल पर अदालत ने सुनवाई की। ,सरकार की ओर से प्रदीप कुमार सिंह ने पक्ष रखा और आरोपी को कड़ी सजा दिलाने की दलीलें दीं। सरकार ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मुलजिम को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

बरेली में बड़ा घोटाला- हर साल सत्यापन, फिर भी छह साल से सुहागिनें लेती रहीं विधवा पेंशन; ऐसे होता था खेला

छह साल से पेंशन ले रही भीमपुर गांव की परवीन पहले ही विभाग में बिचौलियों के सक्रिय होने की बात कह चुकी हैं। यही बिचौलिये सत्यापन के दौरान अपात्रों को भी पात्र दर्शाकर खेल करते हैं। हर साल लाभार्थियों का सत्यापन होता रहा, फिर भी छह साल से सुहागिनें विधवा पेंशन लेती रहीं। घोटाला सामने आने के बाद जिम्मेदार पल्ला झाड़ने लगे हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) ने एडीएम सिटी से साफ कह दिया कि घोटाला उनके कार्यकाल का नहीं है। ऐसे में विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। छह वर्षों में सत्यापन के दौरान ये मामले पकड़ में क्यों नहीं आए? जाहिर है कि व्यवस्था में कहीं न कहीं झोल है।कई वर्षों से चल रहा है सिलसिला छह साल से पेंशन ले रही भीमपुर गांव की परवीन पहले ही विभाग में बिचौलियों के सक्रिय होने की बात कह चुकी हैं। यही बिचौलिये सत्यापन के दौरान अपात्रों को भी पात्र दर्शाकर खेल करते हैं। यह सिलसिला कई वर्षों से चल रहा है। एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने डीपीओ से रिपोर्ट तलब की है।97 हजार से अधिक महिलाओं को मिल रही पेंशन अपात्रों को पेंशन दिए जाने का मामला मेरे कार्यकाल का नहीं है। सत्यापन कार्य भी लेखपाल और ब्लॉक के कर्मचारी करते हैं। वर्तमान में जिले में 97 हजार से अधिक महिलाओं को पेंशन मिल रही है। करीब 70 हजार का सत्यापन भी हो गया है। जिन लाभार्थियों की सत्यापन रिपोर्ट मिल रही है, उनका विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जा रहा है। निदेशालय ने 30 मई को पोर्टल लॉक करने के लिए कहा है। - मोनिका राणा, डीपीओ

भतीजे के प्यार में अंधी चाची- पत्नी ने दी मारकर नीले ड्रम में भरने की धमकी, पति ने प्रेमी को सौंप दी घरवाली

प्रेम प्रसंग का यह मामला सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। महिला की शादी करीब दस साल पहले हुई थी। पति ट्रक चालक है। बताया जा रहा है कि महिला का गांव निवासी खानदान के ही जेठ के बेटे से प्रेम प्रसंग हो गया।जेठ के लड़के के प्यार में डूबी तीन

बच्चों की मां ने पति को हत्या कर नीले ड्रम में पैक करने की धमकी दे डाली। मामला थाने पहुंचा तो महिला प्रेमी के साथ ही रहने की जिद पर अड़ गई। नहीं मानी तो पति ने थाने के गेट पर दोनों के सिर पर हाथ रखकर साथ रहने का आशीर्वाद दे दिया। तीनों बच्चों को भी पत्नी को सौंप दिया।पति ने दोनों को पकड़ा था रंगेहाथ प्रेम प्रसंग का यह मामला सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। महिला की शादी करीब दस साल पहले हुई थी। पति ट्रक चालक है। बताया जा रहा है कि महिला का गांव निवासी खानदान के ही जेठ के बेटे से प्रेम प्रसंग हो गया। दो दिन पहले पति ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया था। इस पर परिवार में जमकर विवाद हुआ। मामला थाने तक जा पहुंचा। पुलिस का कहना है कि बुधवार को आरोपी प्रेमी का शांतिभंग में चालान कर दिया था।थाने में पति ने दे दिया आशीर्वाद बुधवार शाम को फिर दोनों पक्ष थाने पहुंचे। पुलिस के सामने ही महिला ने पति के साथ जाने से इनकार कर दिया। उसका कहना था कि प्रेमी के साथ ही आगे की जिंदगी बिताना चाहती है। समझाने पर भी जब वह नहीं मानी तो पति ने थाना परिसर के बाहर सिर पर हाथ रखकर दोनों को साथ रहने का आशीर्वाद दे दिया। इसका फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। आए दिन देती थी हत्या की धमकी पति ने बताया कि पत्नी के साथ भतीजे के प्रेम प्रसंग की शिकायत परिजन भी कई बार कर चुके थे। पत्नी को समझाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मानी। आए दिन सोते समय हत्या कर नीले ड्रम में लाश छिपा देने की धमकी देती थी। अब उनका व उनके परिवार का महिला से कोई संबंध नहीं है। पुलिस कर रही इनकार, सुपुर्दगी का दस्तावेज वायरल पुलिस थाने में इस तरह की किसी शादी और महिला के प्रेमी के साथ जाने की बात से इनकार कर रही है। हालांकि सोशल मीडिया पर एक सुपुर्दगी दस्तावेज वायरल हो रहा है, जिसमें पत्नी के अपने प्रेमी के साथ जाने की बात लिखी हुई है और नीचे प्रेमी युवक का नाम और उसकी सुपुर्दगी में लेने की जानकारी अंकित है। प्रेमी ने कहा, मायके गई महिला- इस संबंध में प्रेमी युवक से फोन पर बातचीत की गई तो उसने कहा कि दूसरे पक्ष की शिकायत पर थाना पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान किया था। महिला उसे छुड़ाने के लिए थाने आई थी। इसके बाद वह अपने मायके वालों के साथ चली गई। प्रेमी युवक का कहना है कि वह दिल्ली में नौकरी करता है। थाने से छूटने के बाद वह नौकरी पर दिल्ली आ गया है। महिला से शादी की बात सही नहीं है।

प्रदेश के कोरोना मरीजों की जीनोम सिक्वेसिंग कराने के निर्देश, निजी और सरकारी प्रयोगशालाओं को आदेश

कोविड की नई वेव से निपटने के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। अब प्रदेश में पॉजिटिव पाए गए मरीजों की जीनोम सिक्वेसिंग कराई जाएगी। प्रदेश में कोविड के मरीजों की जांच के दौरान सीटी वैल्यू 25 या उससे कम मिलती है तो संबंधित मरीज की जीनोम सिक्वेसिंग कराई जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया गया है। शासन की ओर से भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि कई जिलों में कोविड मरीज है। यहां सर्वाधिक मरीज मिले हैं। इसी तरह अन्य जिलों में भी जाने पर संबंधित सैंपल की जीनोम सिक्वेसिंग कराई जाए। मंडल के के जिलों के नमूने नई दिल्ली स्थित एनसीडीसी लैब माइक्रोबायोलॉजी लैब भेजे जा सकते हैं। मुख्य जिले की निजी प्रयोगशाला को भी सूचित करें। क्योंकि अभी प्रयोगशाला भी सभी तरह के जांच संबंधित प्रोटोकॉल का व्यवस्था प्रदेश के अस्पतालों की व्यवस्थाएं सुधारने के लिए और शाम के वक्त व्यवस्थाएं देखनी (राउंड) होगी। अधीक्षक लेते वक्त ली गई फोटो को अपर निदेशक और महानिदेशक प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलीय, जिला,

मिले हैं। गाजियाबाद और जीबी नगर में विशेष ध्यान देने की जरूत निगरानी रखी जाए। जांच के दौरान सिटी वैल्यू 25 या इससे कम पाए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, आगरा और मुरादाबाद भेजा सकता है। इसी तरह अन्य जिलों के नमूने केजीएमयू के चिकित्साधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि अपने- अपने तक पॉजिटिव आए ज्यादातर केस निजी प्रयोगशाला के ही हैं। निजी पालन करें।अस्पताल के अधीक्षकों को सुबह- शाम देखनी होगी नई रणनीति अपनाई गई है। सभी अस्पतालों के अधीक्षकों को सुबह के न रहने पर अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी राउंड लेंगे। राउंड कार्यालय को भी भेजनी होगी। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के महिला व संयुक्त चिकित्सालयों के अधीक्षकों को निर्देश दिया है।प्रमुख सचिव ने निर्देशित किया है कि अस्पताल के अधीक्षक हर दिन सुबह- शाम वार्ड व परिसर का निरीक्षण करें। सुबह 8.00 बजे ओपीडी के प्रारंभ होने के समय या उससे पूर्व वार्डों एवं अस्पताल परिसर का एक राउण्ड एवं इसी प्रकार देर शाम/रात्रि को एक राउण्ड अस्पताल प्रमुख व प्रभारी द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान सफाई व्यवस्था, मरीजों एवं उनके तीमारदारों को दिए जाने वाले खाने की गुणवत्ता, शीतल व साफ पेयजल की उपलब्धता, पंखे एवं कूलर की क्रियाशीलता और तीमारदारों के लिए छायादार स्थान की व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा संबंधी चेक प्वाइंट्स, आक्सीजन प्लांट, सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड व एक्सरे आदि व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। यह भी देखें कि मरीज व तीमारदार को बाहर से दवाएं खरीदने, जांच कराने या किसी अन्य सामग्री के किसी विशेष स्थान से क्रय के लिए मजबूर तो नहीं किया जा रहा। प्रतिदिन सुबह और शाम/रात्रि के राउण्ड के दौरान लिए गए फोटोग्राफ व्हॉट्सएप ग्रुप में साझा किए जाएंगे। इन्हें महानिदेशक व निदेशक (चिकित्सा उपचार) को भी भेजा जाएगा।

ईरान से लेकर कतर तक महकता है इस जिले का बासमती चावल...300 करोड़ का निर्यात, फिर भी किसान निराश

मैनपुरी के चावल की मांग मुख्य रूप से ईरान, इराक, सऊदी अरब, कतर और दुबई में है। मगर इन देशों के व्यापारी सीधे मैनपुरी की कंपनियों से चावल खरीद नहीं करते।धान का कटोरा कहलाने वाला मैनपुरी उत्तर प्रदेश के उन चंद जिलों में शामिल है, जहां बासमती चावल का उत्पादन सबसे ज्यादा होता है। किसान भी बासमती की खेती का रकबा हर साल बढ़ा रहे हैं, लेकिन सरकार की अनदेखी से किसानों को वह लाभ नहीं मिल रहा, जो मिलना चाहिए। जीआई टैग नहीं मिलने से मैनपुरी के बासमती की खुशबू सिमट कर रह गई है। इससे राइस मिल संचालक भी खुश नहीं हैं।100 बीघा में धान की खेती करने वाले दन्नाहार क्षेत्र के गांव नौनेर के किसान वीरेश चौहान कहते हैं, अब तक जीआई टैग मिला है न सुविधाएं। मंडी में बासमती का उचित दाम तक नहीं मिल रहा। ऐसे में दूसरे राज्यों में जाकर फसल बेचनी पड़ती है। दिल्ली के नरेला व हरियाणा के चरखी दादरी मंडी में बासमती धान यहां के मुकाबले प्रति क्विंटल 400 से 500 रुपये ज्यादा में बिकता है। वह कहते हैं, जब सरकार मोटा धान खरीद रही है तो बासमती भी खरीदे। यहां किसानों के लिए प्रशिक्षण केंद्र तक नहीं है। अच्छी गुणवत्ता वाले बीज का भी अभाव है। पूसा अनुसंधान केंद्र, दिल्ली जाकर बासमती का बीज खरीदना पड़ता है।चावल मिल संतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सह संचालक अनिल अग्रवाल कहते हैं, जिले में बासमती धान की खेती का रकबा और उत्पादन बढ़ा है, आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। जिले में वर्ष 2023 में 65.101 हेक्टेयर और 2024 में 66.927 हेक्टेयर में धान की खेती हुई, लेकिन निर्यात में गिरावट आई है। इसके कई कारण हैं, सबसे प्रमुख कारण चावल में कीटनाशक की मात्रा की जांच के लिए कोई लैब का न होना है। लाल सागर में हूती देशों के प्रति नर्म रुख समेत अन्य वजहें भी हैं। बंपर मैनपुरी के बासमती चावल को पहचान नहीं मिल पहले जिले में 47 चावल मिलें थीं, लेकिन सरकार और संचालकों ने दूसरे व्यापार की ओर रुख कर लिया। अब बढ़ी है। चावल मिल संचालक अशोक गोयल कहते हैं बढ़ी। जिले की उद्योग शून्यता समाप्त करने के लिए किसी बासमती की पहचान गुणवत्ता, सुगंध और लंबे दाने के बासमती की वैरायटी 1121 बासमती, पूसा बासमती, सुगंधा सालाना निर्यात, पर सीधे नहीं ,मैनपुरी के चावल की मांग मगर इन देशों के व्यापारी सीधे मैनपुरी की कंपनियों से

विद्रोहियों का आतंक, अरब देशों का बासमती उगाने वाले मुस्लिम बासमती पैदा करने के बाद भी जिले को जीआई टैग नहीं मिलने से रही।अधिकांश चावल मिलों पर लग गए ताले करीब दो दशक संबंधितों की उदासीनता के चलते अधिकांश पर ताले लग गए और जिले में केवल 7 मिलें बची हैं। मिलें बंद होने से बेरोजगारी भी सरकार की नीतियों के कारण मिलें बंद हो गईं और बेरोजगारी सरकार ने कोई पहल नहीं की। लंबा दाना और सुगंध है मैनपुरी के चलते मैनपुरी के बासमती चावल की मांग रहती है। खासतौर पर बासमती, शरबती बासमती यहां की पहचान है। 300 करोड़ का मुख्य रूप से ईरान, इराक, सऊदी अरब, कतर और दुबई में है। खरीद नहीं करते। कारण है, मैनपुरी के बासमती को जीआई टैग नहीं मिला है। इसके अलावा यहां निर्यातक संघ विकसित करने की कोशिश सरकार ने नहीं की। ऐसे में दिल्ली, एनसीआर के बड़े निर्यातकों के जरिए मैनपुरी का बासमती चावल दूसरे देशों में निर्यात किया जाता है। कीटनाशक अवशेषों की मात्रा जांचने के लिए लैब तक नहीं ,अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बासमती चावल में कीटनाशक अवशेषों की मात्रा पर कड़े नियम हैं। अगर किसान अत्यधिक या प्रतिबंधित कीटनाशकों का उपयोग करते हैं तो उनके धान को निर्यात के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। लगातार मांग की जा रही है कि कीटनाशक की मात्रा की जांच के लिए जिले में लैब स्थापित की जाए मगर सरकार ध्यान नहीं दे रही। चावल मिल संचालक अपीडा के स्थानीय कार्यालय की भी मांग कर रहे हैं, उस पर भी सुनवाई नहीं हो रही। किसानों के लिए चावल भंडारण की सुविधा भी नहीं है। चावल सीधे मिलों या निर्यातकों को बेचने तक की सुविधा किसानों के पास हीं है। इससे बिचौलियों को कम कीमत पर फसल बेचनी पड़ती है। ,आढ़तियों के सामने भी संकट ,बाजार की अस्थिरता व कीमतों में उतार-चढ़ाव आढ़तियों के मार्जिन को प्रभावित करता है। अचानक कीमतें गिरने पर उन्हें नुकसान होता है। आढ़तियों को बड़ी मात्रा में धान का भंडारण करना पड़ता है। उचित भंडारण सुविधाओं के अभाव में या नमी के कारण गुणवत्ता में गिरावट का जोखिम रहता है, जिससे उन्हें नुकसान होता है। ,जीआई टैग के लिए शासन में भेजी है रिपोर्ट ,मैनपुरी के जिला कृषि अधिकारी डॉ.सूर्य प्रताप सिकि ने बताया कि जीआई टैग बासमती चावल की पहचान और प्रामाणिकता के लिए जरूरी है। इसके लिए शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। हालांकि इसका पूर्ण लाभ उठाने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरत है। इसमें बेहतर कृषि पद्धतियों, आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रभावी ब्रांडिंग, और किसानों तथा आढ़तियों को सीधे निर्यात बाजारों से जोड़ने वाली नीतियों को बढ़ावा देना शामिल है। जिला प्रशासन इसी दिशा में काम कर रहा है।आंकड़ों पर एक नजर ,7 राइस मिलें हैं जिले में संचालित ,1 हजार करोड़ से अधिक का सालाना टर्नओवर ,2 हजार टन प्रतिदिन चावल प्रोसेस की क्षमता ,10 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर मिल रहा रोजगार , वर्ष की धान की खेती पर एक नजर ,वर्ष रकबा उत्पादन प्रति हेक्टेयर उत्पादन ,2023 65.101 195.418 29.99 2024 66.927 210.552 31.46 (नोट: रकबा हेक्टेयर में और उत्पादन मीट्रिक टन में है।)

संक्षिप्त समाचार

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में रोगियों का परीक्षण कर दवाएं दीं, शिशुओं का हुआ टीकाकरण

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। रूहेलखंड अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रिठौरा में वृहस्पतिवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर डॉक्टर प्रेमप्रकाश दीक्षित कम्यूनिटी मेडीसन के नेतृत्व में लगाया गया।इस दौरान तमाम रोगियों ने परीक्षण करवा कर दवाएं लीं। वहीं स्वास्थ्य केंद्र पर नन्हें शिशुओं का टीकाकरण भी किया गया। डॉ दीक्षित ने बताया बदलते गर्मी के मौसम में बहुत ही सावधानी बरतनी चाहिए।इस मौसम में अचानक डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड,शरीर में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। इसके लिए सावधानी जैसे अधिक पानी पीना , पूरे कपड़े पहनना, अधिक धूप में न निकलें, ज्यादा तले -भुने मसालेदार भोजन से बचें।शत् तू का प्रयोग के साथ ही व्यायाम करने से स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।इस दौरान डॉ खुशबू, डॉ उत्कर्ष गंगवार, डॉ कीर्ति, डॉ हर्ष डॉ आयुष , कासिम हुसैन, इमरान,अनिल गंगवार,पूजा शर्मा, राम बहादुर सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा ।

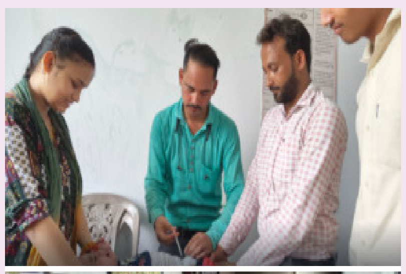

पति से झगड़कर घर से निकली महिला से सामूहिक दुष्कर्म, मुठभेड़ के बाद धरे गये दरिंदगी के चार आरोपी

मेरठ-करनाल हाईवे स्थित मिक्सर प्लांट में श्रमिकों के लिए बनाए गए एक कमरे में वारदात को अंजाम दिया गया। बाद में मुठभेड़ के दौरान दुष्कर्म के चार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गये जबकि एक भाग निकला। झिंझाना थानाक्षेत्र में मेरठ-करनाल हाईवे स्थित रोड़ी डस्ट के मिक्सर प्लांट पर श्रमिकों के लिए बनाए गए कक्ष में पांच लोगों ने पश्चिम बंगाल की महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने खलील और विपिन समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। बाद में मुठभेड़ के दौरान दुष्कर्म के चार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गये जबकि एक भाग निकला। पश्चिम बंगाल के जिला जलपाई गुड़ी निवासी महिला ने बृहस्पतिवार को थाने में दी तहरीर में बताया कि बुधवार देर रात मेरठ करनाल हाईवे स्थित श्रमिकों के लिए बने कक्ष में पांच लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने महिला को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार पीड़िता की शादी आदर्श मंडी थानाक्षेत्र के एक गांव में हुई थी। महिला का पति बाहर रहता है। पति से झगड़ा कर वह घर से निकल गई थी। इसके बाद वह उत्तराखंड के हरिद्वार में रही। पीड़िता ने बताया कि उसे एक युवक बहला-फुसलाकर झिंझाना लेकर आया और वहां अपने साथियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। एसपी रामसेवक गौतम ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार, तीन पैर में गोली लगने से घायल मेरठ करनाल हाईवे के पास महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपियों से बृहस्पतिवार की देर रात झिंझाना में ऊन रोड पर पुलिस की मुठभेड़ हो गई । तीन बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए , जबकि एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एएसपी संतोष कुमार ने बताया कि झिंझाना पुलिस को सूचना मिली की झिंझाना में ऊन रोड पर दो बाइक पर पांच बदमाश जा रहे हैं । सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक को रुकवाने के लिए इशारा किया। मगर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की । पैर में गोली लगने से बदमाश हापुड़ निवासी खलील, खरखोदा निवासी विपिन गंगोह निवासी इजराइल घायल हो गए जबकि झिंझाना के रज्जाक नगर के रहने वाले रवि को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश पुलिस को चकमा देकर मौके से भाग गया। एएसपी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था । घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी ने बदमाशों को पकड़ने वाली टीम को पुरस्कार करने की भी बात कही है।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर बाल रक्षा भारत द्वारा पैड बैंक बनाने की नई पहल की शुरुआत

क्यूँ न लिखूँ सच - वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती ब्लॉक जमुनहा में बाल रक्षा भारत द्वारा संचालित ड्रीम एक्सीलेटर प्रोजेक्ट के अंतर्गत माहवारी स्वक्षता प्रबंधन पर संचालित माइक्रो प्रोजेक्ट के बच्चों एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टाह्र) ज्योति राजपूत द्वारा की गई, जिन्होंने किशोरियों व उपस्थित महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व

के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बाल रक्षा भारत के द्वारा संचालित माइक्रो प्रोजेक्ट के बच्चों द्वारा इस अवसर पर गांव स्तर पर ऋपैड बैंकऋ की स्थापना की बात कही गयी, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की किशोरियों को समय पर सैनिटरी पैड की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। यह पहल किशोरियों की स्वच्छता, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस दौरान उपस्थित किशोरियों को सैनिटरी पैड वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही उत्तर देने वाली प्रतिभागियों को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ इस अवसर पर रामपुर की आंगनवाड़ी,आशा कार्यकत्री, बाल रक्षा भारत की टीम, स्थानीय किशोरियाँ, तथा स्वयं सहायता समूहों की सदस्य उपस्थित रहीं और सक्रिय सहभागिता दिखाई। इस आयोजन ने ग्रामीण समुदाय में माहवारी से जुड़ी रूढ़ियों को तोड़ने, जागरूकता फैलाने, तथा किशोरियों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सजग बनाने की दिशा में एक प्रभावी संदेश दिया।

दो बाइकों कीआमने सामने टक्कर में एक युवक की हुई मौत दूसरे युवक का हो रहा उपचार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। जनपद बहराइच के थाना विशेश्वरगंज के भवानीपुर बनकट शिव मंदिर के पास दो बाईकों की भिड़ंत हो गई। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सीएससी इकौना लाया गया। जनपद बलरामपुर के बलरामपुर देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हसुवा डोल निवासी 30 वर्षीय चौहान पुत्र बुधराम चौहान जो अपने ससुराल गोसाई पुरवा भवानी बनकट में भंडारा खाकर लौट रहा था तो वही जनपद बहराइच के थाना पयागपुर लोहारन पुरवा गांव निवासी 40 वर्षीय कल्पराम विश्वकर्मा जो छब्बा पुरवा से वापस बीवी और बच्चों के साथ लौट रहा था। हादसे के बाद घायलों मे एक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि कल्प राम का इलाज जारी है। सूचना पाते ही थाना इकौना की पुलिस ने सीएससी पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया।

डेढ़ घंटे का ब्लॉक लेकर बदली गई रेल पटरी, लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग रहा प्रभावित

गंगाघाट रेलवे स्टेशन के नजदीक रेल केबिन के पास अप रेललाइन के कैंची प्वाइंट से 13 मीटर

लंबी रेल पटरी गुरुवार को डेढ़ घंटे का ब्लॉक लेकर बदली गई। यह काम डीआरएम सतीश कुमार वर्मा के निर्देश पर कराया गया। रेल पटरी बदलने के लिए ब्लॉक लेने से लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग कुछ देर के लिए प्रभावित रहा। डाउन रेल मार्ग से निकलने वाली ट्रेनों को मेमो देकर निकाला गया।गुरुवार की सुबह 11ः05 से दोपहर 12ः35 बजे के बीच डेढ़ घंट का ब्लॉक रेल पथ विभाग को दिया गया। इस दौरान लखनऊ से कानपुर जाने वाली अप रेल लाइन के स्टेशन केबिन के कैंची प्वाइंट के पास की 13 मीटर लंबी रेल पटरी बदली गई। इसकी वजह से लखनऊ से कानपुर की ओर जाने वाली कुछ ट्रेनें उन्नाव व उसके पीछे के रेलवे स्टेशनों पर खड़ी रहीं। मालूम हो कि हाल ही में डीआरएम ने निरीक्षण किया था और उन्हें यहां आंशिक खामियां मिली थी। इस पर उन्होंने रेल पथ विभाग को पटरी बदलने के जाने के निर्देश दिए थे। वहीं रेल पथ विभाग का कहना है कि गर्मी को देखते हुए यह कार्य कराया गया है।वहीं, स्टेशन अधीक्षक शकील ने बताया कि छमकनाली रेल पुलिया के निकट रेल पटरियों के आसपास जेसीबी से सफाई कार्य कराने के कारण कानपुर से लखनऊ डाउन रेल पथ की ओर जाने वाली ट्रेनों को दोपहर 12 से एक बजे तक मेमो देकर निकाला गया। इस बीच सिग्नल एंड टेलीकाम विभाग ने भी कनेक्टिविटी का कार्य कराया।

प्रदेश के सात शहरों में बनेगी स्मार्ट पार्किंग, अयोध्या, गोरखपुर, वृंदावन सहित ये शहर शामिल

यूपी के सात शहरों में आने वाले दो सालों में स्मार्ट पार्किंग बनेगी। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने की ओर से इस संबंध में मंडलायुक्तों और नगर आयुक्तों को आदेश जारी किया गया है। अयोध्या समेत प्रदेश के सात शहरों में पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए सरकार ने अगले दो साल में सभी सात शहरों में स्मार्ट पार्किंग की व्यवस्था करने का फैसला किया है। इनमें अयोध्या के अलावा मथुरा-वृंदावन, गोरखपुर, शाहजहांपुर,

मेरठ, गाजियाबाद और फिरोजाबाद शामिल हैं। प्रत्येक शहर में स्मार्ट पार्किंग बनाने पर सरकार 250 करोड़ रुपये खर्च करेगी। नगर विकास विभाग ने इसके लिए सभी संबंधित नगर निगमों से प्रस्ताव मांगा है।प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने की ओर से इस संबंध में मंडलायुक्तों और नगर आयुक्तों को आदेश जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि इन शहरों में वार्डवार योजनाएं चिह्नित की जाएंगी। इसके आधार पर प्रस्ताव बनाते हुए शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। इन प्रस्तावों के आधार पर शासन स्तर से पैसे दिए जाएंगे और तय समय में नगर निगमों को यह काम कराना होगा।बता दें कि प्रदेश सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी योजना के तहत इन शहरों में भी स्मार्ट रोड, स्मार्ट पार्किंग, आईटीएमएस, स्मार्ट क्लास, जोनल कार्यालय, सोलर स्ट्रीट लाइट, हेल्थ एटीएम, पार्क और ओपेन जिम जैसी सुविधाएं मुहैया कराने का काम किया जा रहा है। इनमें कुल 1750 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। इन शहरों में अभी तक आधे से अधिक काम हो जाने चाहिए थे, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही की वजह से अधिकतर शहरों द्वारा प्रस्ताव ही नहीं भेजे गए। शासनादेश में कहा गया है कि पहले पांच साल संबंधित नगर निगमों को काम कराने और प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए दिए जा चुके हैं, अब दो साल और दिए जा रहे हैं।

टैंकर की टक्कर से कार सवार दंपती और पौत्री की मौत, एक की हालत गंभीर

टैंकर की टक्कर से कार सवार दंपती और पौत्री की मौत हो गई। हादसा लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर हुआ।लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर अकबरपुर गांव के पास बृहस्पतिवार दोपहर ढाई बजे टैंकर की टक्कर से कार सवार वृद्ध दंपती और पांच साल की पौत्री की मौत हो गई। साथ में रहे युवक को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी तेज थी कि कार दूसरी लेन में जाकर आठ फीट गहरी खंती में चली गई। डामर (तारकोल) भरे टैंकर को पुलिस चालक सहित पकड़ लिया है।लखनऊ थाना

कृष्णानगर के मोहल्ला मानसनगर के बी 60 प्रतापनगर निवासी सुखदेव प्रभाकर (63) अपना फोटो स्टूडियो चलाते थे। पत्नी अंजूबाला (60) को काफी दिनों से दांत में दर्द रहता था। किसी परिचित की सलाह पर बृहस्पतिवार सुबह वह पत्नी, पांच साल की पौत्री मान्या पुत्री गौरव और साथ काम करने वाले सहयोगी रामचेला (45) के साथ अपनी कार से मियागंज कस्बा आए थे। दवा लेने के बाद दोपहर को घर जा रहे थे। लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर अकबरपुर गांव के पास, लखनऊ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने कार में सामने से टक्कर मार दी।हादसे में कार दूसरी लेन में जाकर आठ फिट गहरी खंती में गिर गई। इससे कार सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस सभी को एंबुलेंस से हसनगंज स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने अंजूबाला और मान्या को मृत घोषित कर दिया। कार चला रहे सुखदेव और रामचेला को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रामासेंटर में इलाज के दौरान सुखदेव की भी मौत हो गई, जबकि रामचेला की हालत गंभीर है। कोतवाल संदीप शुक्ला ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

संक्षिप्त समाचार

डॉ. नव्या दिवाकर बनीं समाजवादी महिला सभा की ब्लॉक अध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच - श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद- समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री चंद्रपाल सिंह यादव ने आज मोहम्मदाबाद ब्लॉक के लिए महिला सभा की नई अध्यक्ष के रूप में डॉ. नव्या दिवाकर को मनोनीत किया। डॉ. दिवाकर लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव श्री

संजय सिंघानिया की पत्नी हैं। जिला अध्यक्ष ने इस अवसर पर डॉ. नव्या से अपेक्षा की कि वे शीघ्र ही ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी का गठन करें और पार्टी को सूचित करें। उन्होंने आगामी एक माह के भीतर ब्लॉक स्तरीय पीडीए बैठक आयोजित कर क्षेत्र में समाजवादी पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस मनोनयन अवसर पर कई सम्मानित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे, श्री इलियास मंसूरी (जिला महासचिव), श्री अखिल कठेरिया (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, छात्र सभा), श्रीमती वसुंधरा देवी, श्रीमती लक्ष्मी, श्रीमती राखी, श्री मोहम्मद अकलीम, श्री शीलू खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हाईवोल्टेज तार गिरने से खड़ी बाइक धू धू कर जलने लगी

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में गंगोत्री नगर डांडी के किराना व्यवसाई अनिल कुमार केसरवानी की बजाज डिस्कवर बाईक दुकान के सामने खड़ी थी अचानक 11 हजार वोल्टेज लाईन का तार टूटकर बाईक पर आ गिरा जिससे बाईक धू धू कर जलने लगी जिससे लोगों में अफरातफरी मच गयी आननफानन में इंदलपुर पावर हाउस के बिजली कर्मियों को उक्त घटना की सूचना दी गई पर वहां से कोई कर्मचारी नहीं आया जिसके बाद लोगों ने जेई को फ़ोन किया तो लाइन काटी गई वहीं लोगो का आरोप है कि कई बार जर्जर तारों के बीच सपोटर लगाने और तार बदलने की मांग की गई किंतु बिजली विभाग की उदासीनता के कारण किराना व्यवसाई की रोजी रोटी का जरिया उसकी बाईक जलकर खाक हो गई।

घर घुस कर तोड फोड़ मार पीट चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बडौरा निवासी रामचन्द्र यादव पुत्र मेवा लाल का आरोप उसके विपक्षी एक राय होकर लाठी डंडा कुल्हाड़ी लेकर घर में घुस आए और घर में तोड फोड करते हुए गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर उसके पुत्र सत्यम यादव पर हमला बोल कर लहुलुहान कर दिए। जिससे उसका होठ कट गया और वह बेहोश हो कर तड़पने लगा। गुहार लगाने पर लोगों को आता देख कर विपक्षी भाग गए। रामचन्द्र ने मऊआइमा थाने में राज यादव,शुभम यादव,विभु यादव, फूलचंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

जमुनहा पीएचसी पर आयुष्मान कैंप का आयोजन, कार्ड अपडेट किए

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती जमुनहा तहसील क्षेत्र के जमुनहा बाजार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयुष्मान भारत योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व में आयुष्मान कार्ड धारकों के कार्ड को

अपडेट किया गया। साथ ही जिन बुजुर्गों की जन्मतिथि 1955 से पहले की थी, उनके नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इसके अलावा ऐसे लाभार्थी जिनके राशन कार्ड में छह यूनिट दर्ज था।

20 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका देख ग्रामीणों में फैली सनसनी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती के थाना गिलौला क्षेत्र अंतर्गत कमली गांव निवासी 20 वर्षीय विजय उर्फ बेगे पुत्र गंगाराम का शव पेड़ से लटकता हुआ देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी तथा बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया।

जिस पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने बारीकी से साक्ष्य को एकत्रित किया। वहीं घटना के बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

गांव वाले लाइनमैन को नहीं देते रूपये तो काट देता है बिजली के तार, गर्मी में बेहाल हजारों लोग

क्यूँ न लिखूँ सच

गांव वाले लाइनमैन को नहीं देते रूपये तो काट देता है बिजली के तार, गर्मी में बेहाल हजारों लोग

गांव वाले लाइनमैन को लोग योगी सरकार जहां अफसर हो या कर्मचारी घूस लेने से पहले दस बार सोचते हैं लेकिन यहां लाइनमैनो ने तो अति कर दी है। बहराइच विकास खण्ड महसी क्षेत्र के राजापुर गांव में लाइनमैन को अवैध वसूली न मिलने से नाराज़ लाइनमैन ने पूरे गांव की बिजली गुलकर दी। इससे तीन चार दिन से ग्रामीण अंधेरे मे रातें बिता रहे हैं । ऐसे भीषण गर्मी में ग्रामीणों का जीना दूभर हो रहा है। इससे ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। द्वमहसी क्षेत्र के राजापुर गांव में लाइनमैन की मनमानी सर चढ़कर बोल रही हैं आप है कि लाइनमैन गांव में ग्रामीणों से बिजली के नाम पर अवैध वसूली करते हैं वसूली न मिलने पर नाराज होकर गांव की बिजली लाइन काटकर बिजली ठप कर देते हैं। आलोक सिंह, जितेन्द्र सिंह, पेशकार चौहान, अनिल कुमार शुक्ला, आजाद सिंह, सतीश शुक्ला, आदि ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग की ओर से तैनात प्राइवेट लाइनमैन की बिजली की अवैध वसूली से गांव के लोग परेशान हैं आए दिन पोल व ट्रांसफार्मर में फॉल्ट होना या लाइन तार टूट जाने के नाम पर ग्रामीणों से अवैध वसूली कर लाइन सही की जाती अधिकारी भी नहीं करते कार्यवाहीग्रामीण बताते हैं कि लाइनमैन बिजली का तार ऐसे जोड़ता है की दो से तीन दिन तक ही चल सके अधिकारियों से शिकायत करने पर लाइनमैन कई कई दिनों तक फाल्ट सही करने ही नहीं आता है। बीते शनिवार को अवैध वसूली के कारण लाइनमैन ने गांव की विद्युत लाइन काट दी थी इससे तीन दिन से ग्रामीण भीषण गर्मी में दिन व रात अंधेरे में बिता रहे हैं जिससे ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है लाइनमैनो ने आज भी अपना फोन स्विच ऑफ कर रखा है

फतेहगढ़ ब्रह्मदत्त स्टेडियम में कुमति सेमिनार का आयोजन करते एसोसिएशन फर्रुखाबाद के द्वारा किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच - श्याम जी कश्यप

फतेहगढ़ ब्रह्मदत्त स्टेडियम में कुमति सेमिनार का आयोजन करते एसोसिएशन फर्रुखाबाद के द्वारा किया गया है

जिसमें प्रोग्राम का उद्घाटन जिला क्रीड़ा अधिकारी कर्मवीर यादव , जिला स्काउट मास्टर सुधीर कुशवाहा ,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अंजुम। दुबे ,और सचिव अवनींद्र कुमार और करते एसोसिएशन के सचिव पारस भारद्वाज ने किया जिसमें मुख्य अतिथि लाल जी सक्सेना , रोहित सफर और किशोर कल्याण बोर्ड की जज सुमन राठौर थे इस सेमिनार में करते इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ज्वाइंट सेकेट्री और उत्तर प्रदेश ओलम्पिक एसोसिएशन के ज्वाइंट सेकेट्री जसपाल के द्वारा बच्चो को ट्रेनिंग दी गई यह मॉर्निंग में 9 बजे शुरू होकर इवनिंग में 5 बजे तक चली कार्यक्रम का समापन इन मुख्य अतिथि द्वारा सर्टिफिकेट देकर किया गया । इसमें लगभग 200 बच्चो ने भाग लिया करते एसोसिएशन ऑफ फर्रुखाबाद के सचिव पारस भारद्वाज ने बताया। की आज बच्चो ने करते में फाइट के गुर सीखे जिससे बच्चे अपने जिले नाम राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करेंगे करते एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के। सचिव जसपाल ने कहा मैं बच्चो के अच्छे भविष्य की कमाना करता हूं बच्चो का आज मेहनत देखकर मैं दंग रहे गया कि बच्चो ने बहुत मेहनती हैं यह इसी तरह मेहनत करते रहे तो वो दिन दूर नहीं जब यह काफी आगे जाकर अपने के का नाम रोशन करेंगे । फर्रुखाबाद जिला करते संघ के सचिव पारस भारद्वाज ने सभी अतिथियों को एक एक मोमेंटो देकर सम्मानित किया और एसोसिएशन का बिस्तर किया जिसमें रोहित सफर को अध्यक्ष ,लालजी सक्सेना की संरक्षक , बबीता पाठक को उपाध्यक्ष , अंजुम दुबे को अध्यक्ष , और अभिनंदर को कोषाध्यक्ष बनाया इन्होंने साथ को आगे बढ़ाने हर संभव मदद के लिए कहा कि हम लोग हर समय। बच्चो के साथ उनकी जरूरत पर खड़े हैं ।करते एसोसिएशन उत्तर प्रदेश केजे सेकेट्री जसपाल ने कहा कि आज करते हम अपना भविष्य बना सकते हैं आज सरकार भी बहुत सुविधा दे रही है खेल को आगे बढ़ाने के लिए इसलिए सभी को करते करना चाहिए फिर पारस भारद्वाज ने सभी का धन्यवाद दिया ।

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में अपराध गोष्ठी का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेंद्र तिवारी

बहराइच/पुलिस अधीक्षक महोदय, बहराइच द्वारा आज रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक तथा सभी शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। महोदय द्वारा सम्बोधन में कहा गया कि पीड़ितों को शीघ्र और प्रभावी न्याय दिलाने हेतु बेहतर पुलिसिंग आवश्यक है। जिसके दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए व उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु रात्रि गश्त को नियमित और प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाए। थानो पर लम्बित विवेचनाएं, विशेषकर एससी-एसटी एक्ट, महिला सम्बन्धी अपराध, पॉक्सो एक्ट आदि की समीक्षा की गई तथा कार्य योजना बनाकर गुण दोष के आधार पर विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण करने, विशेष रूप से वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया तथा पॉक्सो एक्ट, महिला सम्बन्धी अपराधों में अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी करने के निर्देश भी दिए गए। महोदय द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाए रखने तथा थाना क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों, सम्भ्रान्त व्यक्तियों, ग्राम प्रहरियों, पुलिस मित्रों आदि के साथ समय-समय पर गोष्ठी आयोजित कर आपसी समन्वय स्थापित करने सहित थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ, खनन, चोरी, पशु तस्करी, अवैध शस्त्र तस्करी आदि अपराधो में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों को डायल-112 के अन्तर्गत जनपद में संचालित पी0आर0वी0 वाहनों के रूट की समीक्षा कर नियमित प्रभावी पेट्रोलिंग की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु निर्देशित किया गया। आईजीआरएस व सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध निस्तारण हेतु तथा जांच की गुणवत्ता को बढ़ाने और जनपदवासियों के असंतुष्ट फीडबैक को कम करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सीएम डैशबोर्ड/ सीसीटीएनएस, सिटिजन सर्विसेज, विभिन्न पोर्टल की स्थिति की समीक्षा कर सामने आ रही समस्याओं के समाधान व रैंकिंग में सुधार हेतु निर्देशित किया गया तथा महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेने और संवेदनशीलता के साथ उनका निस्तारण करने पर जोर दिया गया। साथ ही कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए थाना स्तर पर जनसुनवाई को प्रभावी बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया जिससे शिकायतकर्ता को मुख्यालय आने की आवश्यकता न हो। लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण कर पीड़ितों को न्याय प्रदान किया जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा जनपद में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने व सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत जनपदीय/ यातायात पुलिस को आरटीओ से समन्वय स्थापित कर अवैध रूप से संचालित वाहनो, डग्गामार वाहनों, अवैध ई-रिक्शा/ टैक्सी तथा अवैध टैक्सी/ बस स्टैण्ड के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा चलाए अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान की समीक्षा की गई तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रभारियों की सराहना की गयी गयी व जिन प्रभारियों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा, उन्हें अपने कार्य में सुधार करने के कड़े निर्देश दिए गए व चोरी/नकबजनी, एनबीडब्ल्यू में विवेचना निस्तारण अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये।

घर घुस कर तोड फोड़ मार पीट चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

थाना घूरपुर व एस0ओ0जी0 यमुनानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा लूट के 03 अभियोग व टप्पेबाजी के 01 अभियोग का अनावरण करते हुए 02 अंतर्जनपदीय शातिर अभियुक्त गिरफ्तार तथा कब्जे से लूट के 77,500/- रूपये बरामद थाना घूरपुर व एस0ओ0जी0 यमुनानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना घूरपुर के मु0अ0सं0- 158/25 धारा 304(2) बीएनएस, थाना औद्योगिक क्षेत्र के मु0अ0सं0 91/25 धारा 303(2) बीएनएस, थाना नैनी के मु0अ0सं0 253/25 धारा 304 बीएनएस व थाना शिवपुर कमिश्नरेट वाराणसी के मु0अ0सं0- 204/25 धारा 304(2) बीएनएस से संबंधित 02 अभियुक्त 1.श्रीपत उर्फ कुन्दन सिंह पुत्र चन्दन सिंह उर्फ सुखदेव निवासी राजकीय उन्नयन बस्ती गली नं0- 101/2 थाना कल्यानपुर कानपुर नगर 2.सोहन लाल निषाद पुत्र बैजनाथ निषाद निवासी मोहब्बतगंज थाना नैनी प्रयागराज को दिनांक 28.05.2025 को नया पुरवा बसवार रेलवे अण्डर ब्रिज के पास थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार कर कब्जे से लूट के 77500/- रूपये बरामद किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । घटना का संक्षिप्त विवरण- कुल 04 मुकदमों(थाना घूरपुर, थाना औद्योगिक क्षेत्र, थाना नैनी व थाना शिवपुर कमिश्नरेट वाराणसी) के संबंध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि दिनांक 02.04.2025 को अभियुक्त कुन्दन सिंह जेल से छुटने के पश्चात् दिनांक-29.04.2025 को सोहनलाल पुत्र बैजनाथ निवासी मोहब्बतगंज थाना नैनी प्रयागराज के घर आया यही पर अभियुक्त दीपेन्द्र सिंह उर्फ रोहित उर्फ चिंकी पुत्र चन्द्रशेखर उर्फ जालिम सिंह निवासी राजकीय उन्नयन बस्ती बिठुर रोड़ थाना कल्यानपुर कानपुर नगर, उम्र करीब 40 वर्ष से मुलाकात हुई । थाना औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित प्रकरण मे अवगत कराना है कि दिनांक 05.05.2025 को स्क्न्ध्र बैंक करछना से राजाराम श्रीवास्तव द्वारा 01 लाख रूपये निकालकर, अपनी मोटरसाइकिल के हैंडल में बांध कर अपने घर पहुंचे तभी अभियुक्तगण उपरोक्त द्वारा वादी के पास आकर पानी पीने के लिये मांगा गया । वादी जब पानी लाने घर के अंदर गया तभी अभियुक्तगण उपरोक्त द्नारा गाड़ी में बंधे पैसे के झोले को लेकर भाग जाने के संबंध में थाना औद्योगिक क्षेत्र में मु0अ0सं0 91/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था । थाना शिवपुर कमिश्नरेट वाराणसी से संबंधित प्रकरण में अवगत कराना है कि दिनांक 11.05.2025 को शिवपुर थानान्तर्गत एक महिला से चैन की छिनैती/लूट के संबंध में थाना शिवपुर में मु0अ0सं0- 204/25 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया । थाना घूरपुर से संबंधित प्रकरण में अवगत कराना है कि दिनांक 13.05.2025 को थाना घूरपुर स्थित इंडियन बैंक के पास से एक महिला से 40 हजार रूपये छीनने/लूट के संबंध में थाना घूरपुर में मु0अ0सं0- 158/25 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था ।

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं।

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेंद्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों

की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/ प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/ थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

दो परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेंद्र कुमार पांडेय

आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया

गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गई

शहर के पांचाल घाट स्थित नारायण आश्रम में आयोजित रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी सम्मान समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच - श्याम जी कश्यप

शहर के पांचाल घाट स्थित नारायण आश्रम में आयोजित रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी सम्मान समारोह में पंहुचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी नें कहा कि रानी अहिल्याबाई के आर्थिक और सामाजिक सुधारों से भाजपा प्रेरणा ले रही7 कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नें पांचाल घाट चौराहे पर स्वर्गीय ब्रह्मदत्त द्विवेदी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में सांसद मुकेश राजपूत नें कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने स्वयं सहायता समूहों की शुरुआत की थी, जिनमें साड़ी से लेकर अस्त्र-शस्त्र तक का निर्माण होता था। हमे उनके जीवन से प्रेरणा लेनें की जरूरत है7भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी नें कहा कि अहिल्याबाई का शासन काल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक रहा है।

उन्होंने मठ-मंदिरों का जीर्णोद्धार अपने राज्य में ही नही बल्कि दूसरे राज्यों में भी कराया7 महारानी अहिल्याबाई नें अपने जीवन काल में मुगल शासन में ध्वस्त किये गये लगभग 12 हजार मंदिरों का सुंदरीकरण कराया7 उन्होंने कहा कि भाजपा महारानी अहिल्याबाई परंपरा, आस्था और मूल्यों पर चल रही है7

बीजेपी की विचारधारा स्वदेशी है, कांग्रेस, सपा व वामपंथी दलों की विचारधारा विदेशी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नें संकल्प पत्र को पूरा किया7 2014 से पूर्व यूपी की 18 कमिश्नरियों में से 6 में कोई भी सरकारी विश्वविद्यालय नहीं था, लेकिन अब सभी कमिश्नरी मुख्यालयों में विश्वविद्यालय स्थापित हो चुके हैं।

भारत का सबसे बड़ा हाई-वे व एक्सप्रेस-वे नेटवर्क वाला राज्य उत्तर-प्रदेश बन चुका है। उन्होंने सपा पर हमला बोला कि सपा के शासन में अराजकता व गुंडागर्दी चरम पर थी, जिससे लोग भय के माहौल में जीते थे। भाजपा ने कानून का राज है। उन्होने कहा कि सपा के यूपी में जंगलराज वाले पोस्ट परजबाब दिया कि सपा अपने कार्यकाल को याद करे। आज सूबे में अपराध कम है व अपराधियों के खिलाफ सख्त

These 5 chutneys will double the taste of food in summer, note down their recipes

In summer, one feels less like eating. That's why we want to eat simple food and not eat food with too much oil and spices. But food with less spices sometimes seems bland. In such a situation, including chutney (Chutney Recipes) with food can be beneficial. Chutney not only enhances the taste of food but it is also good for digestion. Eating chutney in summer is beneficial for digestion. Chutney also helps in enhancing the taste of food. Chutney doubles the taste of even plain food. In summer, one often doesn't feel like eating, but if there is tasty and refreshing chutney (Chutney For Summer) in the plate, then the fun of eating doubles. Chutney not only enhances the taste of food, but also keeps digestion healthy. Today we will tell you about 5 such easy and tasty chutney recipes (Tasty Chutney Recipe), which will make your food even more delicious in summer. Mint Chutney The coolness of mint gives great relief in summer. This chutney is not only tasty but also improves digestion. Ingredients- 1 cup fresh mint leaves ½ cup coriander leaves 2-3 green chillies 1 small piece of ginger 1 tsp cumin seeds 1 tsp lemon juice Salt to taste Method of preparation- Put all the ingredients in a blender and grind. If you want a thick chutney, add less water. Add lemon juice and mix and serve cold. This chutney tastes great with samosas, pakoras or dal-rice. Mango Chutney (Kairi Chutney) Sweet and sour raw mango chutney is very much liked in summer. Ingredients- 1 raw mango (grated) ½ cup jaggery or sugar 1 tsp red chili powder ½ tsp cumin powder 1 pinch asafoetida Salt to taste Method of preparation- Grate the raw mango and mix it with jaggery or sugar. Now add chili powder, cumin powder, asafoetida and salt and mix well. Eat this chutney with parathas or curd. Sweet and sour tamarind chutney Tamarind chutney is very refreshing in summers. Ingredients- ½ cup tamarind (seed removed) ¼ cup jaggery 1 tsp cumin powder ½ tsp red chili powder 1 pinch black salt Method of preparation- Soak tamarind in hot water to make it soft and take out the pulp. Now mix jaggery, cumin powder, chili powder and black salt in it and cook. Serve when it cools down. This chutney tastes great with chaat, dahi-bhalle or pakoras. Green coriander chutney Coriander leaf chutney is light and tasty, which is very beneficial in summers. Ingredients- 1 cup coriander leaves Garlic cloves 1 green chili 1 tsp lemon juice Salt according to taste Method of preparation- Grind all the ingredients in a blender and prepare the chutney. Eat it with curd or roasted papad. Coconut chutney South Indian coconut chutney is very much liked in summers. Ingredients- 1 cup grated coconut ½ cup curd 1 green chilli ½ tsp cumin seeds Few curry leaves Salt to taste Method- Grind coconut, curd, green chilli and cumin seeds. Heat oil in a small pan, add curry leaves and apply the tempering on the chutney. This chutney tastes great with dosa, idli or rice.

Do you know about Weekend Marriage? Such couples enjoy single life even after being married

On hearing the name of marriage, only one image comes to mind - living every day with each other and sharing every small and big thing of life, but in today's fast-paced life, there are some couples who are adopting a new path different from this traditional thinking. Yes, we are talking about Weekend Marriage, where there is love as well as space. Today, the trend of Weekend Marriage is increasing in many countries around the world. There are many reasons behind couples adopting this kind of arrangement. Such couples do not compromise on their freedom even after marriage. Imagine, drinking morning tea alone, being completely immersed in your career or hobbies on weekdays and then spending quality time with your partner on weekends! It sounds a bit filmy to read, right? But this is the reality of those couples who are enjoying single life even after being married. This is called 'Weekend Marriage', a trend that is slowly becoming common in many metro cities around the world. Obviously, this trend is completely different from the structure of traditional marriage, where there are no daily fights, nor everyday responsibilities. Just some special days of the week, where along with love, the partner's space is also taken care of (Weekend Marriage Benefits). Let's know the thinking behind this unique relationship, its advantages and disadvantages and why some people are moving towards adopting it with an open heart (What Is Weekend Marriage). Why are some couples choosing Weekend Marriage? Career priority: In today's time, both men and women are serious about their career. Sometimes it is not possible to get a job in the same city, and then they choose this model. Need for personal space: Some people believe that a little distance is also necessary for a happy marriage. Spending time together on weekends and living your life the rest of the time - this keeps them in balance. Less fights, more love: When less time is spent together, there are also less fights. Every meeting becomes special, and the relationship remains fresh. Maintaining one's own identity: Some people want to maintain their independence even after marriage. In this model, they maintain their identity and space. Enjoying single life with the companionship of marriage Through weekend marriage, couples feel that they are able to live their 'single' life even though they are married. They can meet friends, fulfill their hobbies and be happy even without the 'partner's presence all the time'. Is this model right for everyone? Every relationship is different and it is not necessary that weekend marriage works for everyone. This relationship is based on trust, understanding and emotional maturity. If there is no trust between the couples, then distance can also bring sourness in the relationship. Disadvantages of weekend marriage Emotional distance can increase. There can be difficulty in raising children. You can feel lonely. You may have to face family and social pressure. Weekend marriages are not a common trend, but it shows that the ways of managing relationships are changing. Every couple should choose a path after understanding the needs and priorities of their relationship. Love, respect and trust - whether you are together every day or only on weekends, this is the real foundation of any relationship.

5 Ayurvedic Rituals will calm the turmoil going on in the mind, you will get a happy and tension-free life

Today's lifestyle is such that the mind becomes restless over small things and the mind keeps churning thoughts continuously. If you are also troubled by this mental turmoil, then Ayurveda can help you. Some easy and effective rituals of Ayurveda not only give peace to the mind (Stress Relief) but life can also become happy and stress-free. Everyone is struggling with stress and mental confusion these days. Some Ayurvedic Rituals can provide relief from this to a great extent. By implementing these tips in life, you can say goodbye to tension. In today's busy life, mental stress and restlessness have become a common problem. Being stuck in some worry or vortex of thoughts every day (Mental Clutter) takes away our peace. In such a situation, Ayurveda, which is a thousands of years old Indian medical system, teaches us some simple remedies that can calm the mental turmoil and bring peace in life again. Let's know about 5 such Ayurvedic Rituals that will give you a happy and tension-free life. Dinacharya (Dinacharya) Dinacharya, that is, the right daily routine, is the first step to keep our life balanced. According to Ayurveda, getting up early in the morning, washing the face with fresh water, meditating, eating at the right time and sleeping early - all these habits make the mind stable and calm. When our body and mind follow a regular routine, unnecessary stress automatically reduces. How to start? Get up before sunrise in the morning. Start the day with lukewarm water. Do the day's work according to a balanced timetable. Keep a fixed time for sleep at night. Yoga and Exercise Practicing yoga and low intensity exercise daily is the most natural way to reduce mental turmoil. Yogasana and Pranayama calm the nervous system, reduce stress hormones and bring positivity in the mind. Benefits of joining yoga Mental balance is established. Sleep improves. Focus and concentration increases. Easy yogasanas for beginners: Sukhasana, Balasana, Shavasana and Bhramari Pranayama Tongue Scraping Cleaning the tongue may sound like a small task, but it has great importance in Ayurveda. Toxins deposited on the tongue not only spoil physical health, but also cause mental fatigue and restlessness. Cleaning the tongue with a copper or steel scraper after waking up in the morning not only cleans the mouth, but also makes the mind feel light. How to clean the tongue? Use a copper, steel or silver scraper. Clean the tongue from inside to outside with light hands. Do not forget to rinse after cleaning. Meditation and Pranayama When the mind wanders too much and there is a fair of thoughts, then meditation and pranayama work like a boon. Just 10-15 minutes of regular meditation can fill you with amazing peace. Pranayama controls breathing and slows down the turmoil of the mind. How to do meditation and pranayama? Sit in a quiet place. Close your eyes and take a deep breath. Focus on breathing. Start with 5 minutes in the beginning and gradually increase the time. Pranayamas like Bhramari, Anulom-Vilom are especially beneficial. Abhyanga Abhyanga, that is, massaging the body with oil, is considered very special in Ayurveda. It not only removes the fatigue of the body, but also removes the anxiety and restlessness of the mind. Massaging daily with warm sesame or coconut oil with light hands improves blood circulation and gives deep peace to the mind. How to do Abhyanga? Massage your head and body with warm oil before taking a bath. Use sesame oil, coconut oil or Ayurvedic herbal oil. Massage in light circular motions and take a bath with lukewarm water after 20-30 minutes.

'... then Kajol would have been the heroine of Tanvi The Great', in response to the question, Anupam Kher said- she looks good

While talking about the trailer launch of his directed film Tanvi The Great, Anupam Kher also mentioned film actress Kajol. Anupam Kher told how Kajol agreed to support his film on just one phone call. Anupam Kher said what all did she say about Kajol? In the film industry, people do films for each other or do guest roles in films without taking money due to friendship. At the same time, there are some friends who come to support them on one phone call. Actress Kajol did something similar for actor Anupam Kher. On Monday, at the trailer launch of Anupam Kher directed film 'Tanvi The Great' in Mumbai, Anupam said that he had to call Kajol only once and she said yes to support the film. Why did he call Kajol? When the anchor asked why did you call Kajol? Kajol said because she looks the best. Anupam said yes she looks good but she is a relevant person and performer as per today's times. Would Kajol play the role of Tanvi? Anupam Kher further said, "I knew she would say yes. If I had made the film 'Tanvi the Great' a few years ago, I would have cast Kajol in the role of Tanvi. Anupam has given a chance to newcomer Shubhangi Dutt through this film. The world premiere of the film will be held at the Cannes Film Festival."

Maid committed theft at Neha Malik's house? Jewelry worth Rs 34 lakhs goes missing, case registered at police station

A case of theft of jewelry worth Rs 34 lakhs has come to light from the house of actress and model Neha Malik. The actress's mother suspects that this theft has been committed by one of her maids who has been absconding since yesterday. The actress lodged a complaint in the Mumbai police station after which the woman working in her house was arrested. Theft at TV actress Neha Malik's house, maid disappeared with jewelry worth Rs 34 lakhs? Police arrested her after FIR was registered. A case of theft of jewelry worth Rs 34 lakhs has come to light from the house of actress Neha Malik, who appeared in films like Gandhi Phir Aa Gaye, Musafir and Pinky Moge Wali 2. After such a big theft in the house, the actress's mother has lodged an FIR against her caretaker at the Amboli police station in Oshiwara, Mumbai and has expressed suspicion that the maid working in her house has committed this. What is this whole matter, how did the theft happen, let's know in detail: She had left the house trusting the maid and went to the Gurudwara. According to a Hindustan Times report, the police said in a statement, "Neha Malik's mother Manju Malik had filed a complaint against her maid on Sunday. She told in her complaint that when her employee came home on Friday, the actress's mother Manju went to a nearby Gurudwara to pay obeisance trusting her. However, when Sheikh did not come to work the next day, Manju tried to call her several times, but her maid did not pick up the phone". According to reports, when the maid did not pick up the phone even after calling several times, Neha Malik's mother checked her cupboard and found out that her jewelry worth Rs 34 lakh was missing from the house. She also told the police that when she did not find the jewelry even after searching the whole house, she suspected that Sheikh had committed the theft, after which she immediately complained to the police. Did the police arrest the maid? The police said that they have registered a case, but at the same time they have also taken out the CCTV footage of the building so that they can know whether Shaikh has taken any bag or not. The report also claims that Shahnaz Shaikh, who took 9000 rupees in advance and left the house after stealing, has been arrested by the police from JB Nagar in Mumbai, she used to live in the same area. At present, no official statement has been issued by Neha or her mother in the case of jewelry theft.

Ajaz Khan's wife released from jail after six months, Fallon Guliwala was caught in a drugs case

Bigg Boss ex-contestant Ajaz Khan, who appeared in Salman Khan's controversial show, and controversy go hand in hand. In the year 2021, Ajaz Khan was arrested by the NCB in a drugs case. The actor was released after 26 months. A similar drugs case was also against his wife, due to which she was in jail for six months. Ajaz Khan's wife released from jail after being imprisoned for six months 130 grams of marijuana was recovered from Ajaz Khan's house Ajaz Khan shared a video on social media On October 8 last year, an employee working in Ajaz Khan's office was arrested by the Customs Official, in which it was revealed that the man had ordered 100 grams of marijuana from abroad through courier service. Allegedly, during the investigation, the name of Ejaz Khan's foreign wife Fallon Gulivala also came up in this case, after which she was arrested. Fallon, who was caught in a drug case, was jailed for six months. She was kept in Mumbai's Byculla jail. After completing the six-month sentence, Ejaz Khan's wife has been released from jail, the information of which was shared by the ex-contestant of Bigg Boss himself on his official Instagram account. The beginning of a new chapter after the storm - Ejaz Khan According to a news from our partner website Mid Day, Ejaz Khan's wife was arrested in November last year. Actually, last year, the Customs Officer raided the actor's house in Jogeshwari, where 130 grams of marijuana was allegedly recovered from his house. Now six months later, on April 28, Ejaz Khan reached Byculla jail along with his son and family to bring his wife home after her release, where he posted the video on Instagram. In this video, Ejaz Khan is seen hugging his wife as soon as she comes out. Only after this, Fallon looks happy after meeting her parents and son. Sharing this video, Ejaz Khan wrote in the caption, "After a heavy storm, today we are starting a new chapter of life. Welcome my love, we are always stronger together". This is the worst thing in life that a mother goes through. After coming out of jail, Ejaz's wife told about those terrible nights which she spent in jail during a conversation with Tele Masala. Fallon said, "I am feeling very bad. I have got a very supportive husband, who has stood with me day and night. I am in a lot of pain". Apart from this, she expressed the pain of being away from her son for six months and said, "This is the worst thing in life for any mother, where she has to stay away from her children". Before Fallon, Ejaz Khan had also called the raid at home in the drugs case 'fake'.